वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 180 | मंगलवार 25 अक्टूबर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विश्व वंदनीय तीर्थंकर भगवान महावीर के 2549वे निर्वाण महामहोत्सव पर हार्दिक बधाई

राकेश - समता गोदिका एवं शाबाश इंडिया परिवार

दीपावली पर जगमगाया जयपुर, देखने के लिए 3KM का जाम: पूरा शहर सड़कों पर निकला

400 साल पुराने महालक्ष्मी मंदिर में पूर्व राजपरिवार की पूजा

शाही लवाजमे के साथ लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ का स्वागत, लोगों में भी दिखा उत्साह

जयपुर. शाबाश इंडिया

दीपावली के मौके पर मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने राजशाही तरीके से पूजन किया। पूरे लवाजमे और मेवाड़ पारंपरिक वेशभूषा में महालक्ष्मी मंदिर में उन्होनें पूजा की। हर साल पूर्व राजपरिवार के सदस्य उदयपुर के इसी महालक्ष्मी मंदिर में माता का आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। यह मंदिर 400 साल पुराना है। महाराजा जगतसिंह के कार्यकाल में यह मंदिर बना था। प्राचीन परंपराओं को आज भी पूरी शिद्दत से मनाने वाले लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के साथ उनकी दोनों बेटियां और बेटे भी थे। मोहलक्षिका कुमारी, प्राणेश्वरी कुमारी और हरितराज सिंह मेवाड़ ने माता के दर्शन किए। करीब 10 मिनट तक मेवाड़ ने परंपरानुसार पूजा-अर्चना की। इस दौरान मेवाड़ उन्हें भी लोगों से संस्कृति के बारे में बताते रहे। लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने माता लक्ष्मी से सभी के लिये कुशलता की कामना की। मेवाड़ के साथ दर्शन करने कई ठिकानो के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। इसके बाद हनुमान मंदिर में भी मेवाड़ ने दर्शन किए। इसी बीच जगह-जगह आम लोगों ने उनका स्वागत किया। लोग उनके साथ फोटो खिंचाने के लिए उत्सुक दिखे।

सूचना

शाबाश इंडिया कार्यालय में 'दीपोत्सव' के अवसर पर 25 अक्टूबर को अवकाश रहेगा। अत : अगला अंक 27 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

-सम्पादक

48 दीपकों से 48 मण्डल पर भक्तामर अनुष्ठान 28 अक्टुबर को सायं 6 बजे से

आचार्य श्री सुनील सागर जी मुनिराज के सानिध्य मे भट्टारक जी की नशियां मे होगा विधान

आचार्य श्री सुनील सागर जी वर्षायोग समिति एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान मे होगा आयोजन

आचार्य श्री सुनील सागर जी मुनिराज के सानिध्य मे भट्टारक जी की नशियां मे होगा विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री सुनील सागर जी वषायोग समिति एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के तत्वावधान मे दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा आचार्य श्री सुनील सागर जी के सानिध्य मे भट्टारक जी की नशियां मे शुक्रवार 28 अक्टूबर को 48 दीपक से 48 मण्डल पर भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन सायकाल 6 बजे से भव्य समारोह के अंतर्गत संगीत व भक्ति के साथ किया जायेगा। रीजन अध्यक्ष राजेश बडजात्या व महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि यह कार्यक्रम रीजन द्वारा प्रत्येक माह विभिन्न ग्रुपो के सहयोग से किया जा रहा हैं । इस बार इस 7वा विधान का आयोजन रीजन द्वारा सन्मति ग्रुप के सौजन्य से आचार्य श्री सुनील सागर जी वर्षायोग समिति के सहयोग से किया जायेगा। संयोजक राजेश पाटनी व मनीष लोग्या ने बताया कि कार्यक्रम मे चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कर्ता शांति कुमार- ममता सोगानी जापान वाले होंगे। जिनवाणी विराजमान कर्ता श्रीमती बुलबुल कवर धर्मपत्नी स्वर्गीय नेमिचंद गंगवाल, राजेश - जैना , राकेश - रोशनी गंगवाल तथा मुख्य मंडल दीप प्रज्ज्वलन कर्ता श्रीमती प्रकाश देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री ब्रजमोहन जैन, विनोद - शशि जैन तिजारिया होंगे ।

सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका व सचिव अनिल - प्रेमा रावका ने बताया कि कार्यक्रम मे प्रसिद्ध गायक पंडित विकर्ष जैन सलेहा सतना मध्य प्रदेश निवासी तथा अशोक गंगवाल व श्रीमती समता गोदिका द्वारा संगीत व भक्ति के साथ भव्यता के साथ होगा।

जयपुर से सम्मेद शिखर जी की यात्रा आज 25 अक्टुबर से

यात्रा स्वर्गीय श्री सुन्दरलाल जी जैन एवं माताजी स्वर्गीय कंचन देवी को समर्पित होगी

जयपुर. शाबाश इंडिया

सम्मेद शिखर जी के लिए 147 यात्रियों का एक दल 25 अक्टूबर को जयपुर से रवाना होगा। टी सी जैन, किरण जैन, हर्ष जैन सावरिया वाला ने बताया कि यह यात्रा स्वर्गीय श्री सुन्दरलाल जी जैन एवं माताजी स्वर्गीय कंचन देवी को समर्पित है ! यह यात्रा निःशुल्क है । यात्रा संयोजक आनंद जैन, मनीष जैन, संदीप दोशी ने बताया कि यात्रा 25 अक्टूबर को जयपुर से रवाना होकर 26 को सम्मेद शिखर जी पहुंचेगी जहां 27 तारीख को पर्वत वंदना, 28 को चम्पापुर की यात्रा, 29 कुंडलपुर, 30 को राजगिरी तथा 31 तारीख को राजगिरी वंदना दर्शन करके बोध गया मंदिर जाएंगे। रात्रि गया में विश्राम करेंगे तथा 1 नवम्बर को गया से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। यात्रा दुगार्पुरा जैन मंदिर से गुरू मां गाणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वरी माताजी का आशिर्वाद लेकर रवाना होगी ।

आपको और आपके परिवार को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

विमलादेवी धर्मपत्नी
स्व बालकृष्ण पारीक सूरत (खतवाड़ी वाले)

डॉ सरिता पारीक, डॉ कोमल पारीक,
बच्चन, कैलास, जुगल, राम अवतार, मगन पारीक

जगदंबा क्रियेशन • स्टारटोस हेल्थकेर प्राइवेट लिमिटेड
• हरप्रीत मेडिकल स्टोर • ग्रीन क्रॉस मेडिकल • श्रुति फार्मेशी
• खुशी ड्रग्स हाऊस • सूर्या मेडिकल स्टोर • ब्लू सोडा और आइसक्रीम
• यूनिटी लैब ग्रोविंग डायमंड • कुंजल क्रिएशन

दीपोत्सव पर जगमग हुआ जहां...

दीपावली आतिशबाजी व दीप प्रज्वलित कर हर्ष उल्लास से मनाई...

सुश्री स्तुति जैन पुत्री अनिल-नीता पाटनी अजमेर निवासी ने दीपावली पर राधा कृष्ण की भव्य रंगोली बनाकर दीपोत्सव मनाया।

शुभ दीपावली

वेद ज्ञान

राम के नाम को समझे बगैर मुक्ति नहीं

मुक्ति की कसौटी यह है कि आप निष्काम हुए या नहीं। मान-मोह छूटे बिना निष्काम होना संभव नहीं। गोविंद की चाकरी मैं-पन से मुक्ति दिलाती है। अगर यह भाव आ जाए कि गोविंद जैसा मुझसे कराता है, वैसा करता हूं। मेरे मान सम्मान का क्या? सब मान-सम्मान मेरे मालिक का है, तो आप मैं-पन से मुक्त हो सकते हैं। मुक्ति के लिए गुरु तेग बहादुर गोविंद के सुमिरन में जीने को अंतिम शर्त बताते हैं। संतों ने इसी को नाम कहा है। नाम है-ओंकार। गोविंद भी ओंकार ही है। राम का मतलब राम-राम रटना नहीं है। यह जो ओंकार है, जो पूरे अस्तित्व में गूंज रहा है- आपके भीतर भी और आपके बाहर भी, जिसका आलोक फैला हुआ है, वह नाम है और उसी को जानना है। इसी नाम को, ओंकार को, गोविंद को जानना और उसके सुमिरन में जीना मुक्ति का उपाय है। राम के नाम को जाने-समझे बगैर मुक्ति नहीं है। पूजा ही नहीं, ध्यान भी बंधन का कारण बनता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि ध्यान में शून्यता तो आ जाती है, पर बात छूट जाती है। ध्यान में कोई आधार नहीं होता, जिसके सहारे यह भवबंधन पार हो। ध्यान तो केवल घास-फूस की सफाई है, असली बात है-समाधि। पलटू साहब कहते हैं, जो मुक्ति पाना चाहते हैं, किताबों का ज्ञान और योग-ध्यान उनके काम नहीं आएगा। जो ओंकार के सुमिरन में जीता है, उसे तीर्थ, व्रत, दान-पुण्य, पूजा, आचार-व्यवहार, परोपकार या धार्मिक अनुष्ठान की ही नहीं, बल्कि ज्ञान और ध्यान की भी जरूरत नहीं है। पलटू साहब कहते हैं कि जो इस प्रकार गोविंद की स्मृति में जीता है, मुक्ति भी उसके यहां दासी बनकर रहती है। इसी मुक्ति के लिए संतों ने सहजयोग का मार्ग दिया है, उस सहज को जानें और सहज योग का मार्ग क्या है? सहज ओंकार का ही एक नाम है, जो आपके साथ ही जन्मा है। उस ओंकार को, उस नाम को जानें और उसके सुमिरन में जीना शुरू करें। फिर मान-मोह सब छूट जाता है और जीते जी आप मुक्त हो जाते हैं। मुक्त होने के बाद आपको न तो दुख है और न सुख। आप सुख और दुख के पार चले जाते हैं। जब आप सुख और दुख के पार चले जाते हैं, तब आप परमानंद की स्थिति में होते हैं।

संपादकीय

'आपदा में अवसर' तलाशने वालों का जमावड़ा...

इस देश में हर स्तर पर 'आपदा में अवसर' तलाशने वालों का जमावड़ा हो, वहां केंद्र से भेजे गए एक रुपये में से पूरे सौ पैसे गरीबों तक पहुंच रहे हैं तो इसे एक बड़ी उपलब्धि ही माना जाएगा। उल्लेखनीय है कि 1985 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने सूखा प्रभावित कालाहांडी दौरे पर कहा था कि सरकार जब भी एक रुपया खर्च करती है तो लोगों तक 15 पैसे ही पहुंच पाते हैं। वह रिसाव से उपजे भ्रष्टाचार की बात कर रहे थे। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण योजना (डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर यानी डीबीटी) को बड़े पैमाने पर शुरू किया था तब विरोधियों ने कहा था कि भारत जैसे पिछड़े देश में यह योजना भ्रष्टाचार बढ़ाने का काम करेगी, लेकिन आज दुनिया इस योजना की प्रशंसा कर रही है। यह विडंबना है कि एक ओर विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष डीबीटी एवं खाद्य सुरक्षा योजना की प्रशंसा कर रहे हैं तो दूसरी ओर वैश्विक भुखमरी सूचकांक में भारत को पिछले साल

की तुलना में सात पायदान नीचे (107) दिखाया जा रहा है। इस विडंबना का कारण है कि भुखमरी सूचकांक जिन चार संकेतकों के आधार पर तैयार किया जाता है, उनमें तीन बच्चों से जुड़े हैं जो संपूर्ण आबादी की जानकारी नहीं देते। चौथा और सबसे महत्वपूर्ण सूचकांक कुल जनसंख्या में कुपोषित आबादी का है। इस सूचकांक को भी 138 करोड़ वाले देश के मात्र 3,000 लोगों के आधार पर तय किया गया। इसी कारण भारत सरकार ने इस रिपोर्ट को सिरे से नकार दिया। रिपोर्ट में जिस श्रीलंका को 64वें पायदान पर रखा गया है, वहां आर्थिक उथल-पुथल के बीच भारत द्वारा भेजी गई खाद्य सामग्री से ही स्थिति नियंत्रण में आई। इससे रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर अपने आप सवाल उठने लगे हैं। उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार किया है, जिससे राशन प्रणाली के अनाज की कालाबाजारी, तस्करी थम गई है। इसे विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मालपास ने भी स्वीकार किया है। उनके अनुसार कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने गरीब और जरूरतमंद लोगों को जिस प्रकार समर्थन दिया, वह असाधारण है। गरीबी एवं पारस्परिक समृद्धि नामक रिपोर्ट जारी करते हुए डेविड मालपास ने कहा कि अन्य देशों को भी व्यापक सब्सिडी के बजाय भारत की तरह लक्षित नकद हस्तांतरण जैसा कदम उठाना चाहिए। डेविड मालपास ने कहा कि महामारी की सबसे बड़ी कीमत गरीब और कमजोर लोगों को चुकानी पड़ी है। डीबीटी के जरिये भारत ग्रामीण क्षेत्र के 85 प्रतिशत परिवारों और शहरी क्षेत्र के 69 प्रतिशत परिवारों को खाद्य एवं नकदी समर्थन देने में सफल रहा। डीबीटी योजना में जैम त्रिकोण यानी जन-धन, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इससे बीच में पैसा हजम करने वाले बाहर हो गए। भारत सरकार ने 2020-21 के दौरान डीबीटी के माध्यम से 5.52 लाख करोड़ रुपये सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जो 2021-22 में बढ़कर 6.3 लाख करोड़ रुपये हो गए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हिजाब : तर्क-वितर्क

सवाल है कि हिजाब पहनें या न पहनें। इसका जवाब दिया सर्वोच्च न्यायालय के दो माननीय न्यायाधीशों ने। मगर अंत में 13 अक्तूबर को इस पर दोनों की अलग-अलग राय थी, जवाब कोई नहीं मिला। इसका नतीजा यह निकला कि कर्नाटक के उडुपी जिले के कुंडापुरा नामक एक छोटे शहर में जन्मी और पली-बढ़ी आइशा शिफा और तेहरीना बेगम के लिए अब सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी कालेज, कुंडापुरा में अपनी पढ़ाई जारी रखना मुश्किल हो गया है। दोनों छात्राएं द्वितीय वर्ष में थीं। पिछले वर्ष जब उन्होंने प्रथम वर्ष में दाखिला लिया और कालेज जाना शुरू किया, तो पहले दिन से ही वे हिजाब पहनती आ रही थीं- एक स्कार्फ जो सिर और गर्दन को ढंकता है, लेकिन चेहरा दिखाई देता है। हिजाब वे निर्धारित वर्दी के अलावा पहनती थीं। मगर 3 फरवरी, 2022 को उन्हें कालेज के मुख्य द्वार पर रोक दिया गया और कहा गया कि कालेज में प्रवेश करने से पहले उन्हें हिजाब हटाना होगा। उन्होंने मना किया तो उन्हें प्रवेश से वंचित कर दिया गया और आठ महीने बाद मामला वहीं आकर खड़ा हो गया। ऐसा नहीं कि किसी महिला के हिजाब पहनने से किसी का अपमान होता हो। यह सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता, नैतिकता या स्वास्थ्य के खिलाफ नहीं है। धार्मिक महत्त्व के बावजूद, हिजाब पहनने वाली महिलाएं भारत में उन महिलाओं से बहुत अलग नहीं हैं, जो साड़ी या दुपट्टे के पल्लू से अपना सिर ढकती हैं। पुरुष पगड़ी पहनते हैं। सिख पुरुष अपने सिर को पगड़ी से ढकते हैं। भारत के कई राज्यों में विशेष अवसरों (जैसे मैसूर पेटा) पर विशेष टोपी पहनी जाती है। चीखती हुई सुर्खियों, टेलीविजन पर शोर-शराबे, सोशल मीडिया पर टिप्पणियों, धमकियों और मजाक बनाने वाली सामग्री की बाढ़ और काबिल नेताओं के भड़काऊ बयानों के बीच केंद्रीय मुद्दा कहीं खो गया है। मेरे विचार से, यह मुद्दा एक शब्द तक सीमित है, और वह है पसंद। कुछ टिप्पणीकारों ने शिकायत की है कि जब रूढ़िवादी ईरान में हिजाब को हटाने के लिए आंदोलन चल रहा है, तब यह आश्चर्यजनक है कि आधुनिक भारत में मुसलिम समुदाय का एक वर्ग कक्षाओं में लड़कियों के हिजाब पहनने के अधिकार की रक्षा का आंदोलन चला रहा है। आलोचना पूरी तरह से गलत है। करीब से देखने पर, विवाद ईरान और भारत दोनों में समान है: यह 'पसंद' को लेकर है। यह अमेरिका में महिला के गर्भपात के विकल्प पर विवाद की तरह है। विवाद 'पसंद' और 'नियम' के बीच है। 'पसंद' स्वतंत्रता, गरिमा, गोपनीयता और विविधता का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि 'नियम' अक्सर बहुसंख्यकवाद, असहिष्णुता और एकरूपता के लिए बल पूर्वक संचालित होते हैं। 'पसंद' कुछ स्थितियों में 'नियम' का सहायक उत्पाद साबित हो सकता है। यह संविधान के अनुच्छेद 19 (2) या अनुच्छेद 25 (1) में निहित आधार- सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता, नैतिकता और स्वास्थ्य- और संविधान के भाग 3 (मौलिक अधिकार) के कुछ अन्य प्रावधानों में आकर्षक लगता है। ऐसे आधारों के अभाव में, 'विकल्प' प्रबल होना चाहिए। न्यायमूर्ति सुदर्शन धूलिया ने 'पसंद' को इसलिए बरकरार रखा, क्योंकि हिजाब लड़कियों की शिक्षा का एकमात्र टिकट हो सकता है।

खंडेलवाल जैन समाज के कोहिनूर श्री बाबूलाल जी छाबड़ा लखनऊ नहीं रहे

भावभीनी श्रद्धांजलि

लखनऊ. शाबाश इंडिया। देव शास्त्र गुरु के परम भक्त प्रभाव शाली व्यवहार कुशल दिगम्बर जैन खंडेलवाल महासभा के महास्तंभ हर दिल अजीज श्री बाबूलाल जी छाबड़ा लखनऊ के निधन का समाचार सुनकर बेहद दुख हुआ । वो एक चलते फिरते ऊजार्वान स्तंभ थे । संपूर्ण भारत वर्ष की खंडेलवाल जैन समाज को एक बैनर के नीचे लाने का उनका प्रयास सार्थक रहा। अलग अलग प्रांत

अलग-अलग जिले एवं अलग अलग अलग गांव में स्थित खंडेलवाल परिवार की पकड़ उन्होंने प्रान्त जिला तहसील लेबल पर जगह-जगह की स्मारिका बनावा कर उसका सफल प्रकाशन भी करवाया ।मैं उन्हें दिगम्बर जैन खंडेलवाल समाज का कोहिनूर का हीरा कहू हूं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी उनके जीवन में हर पल हर घड़ी हर लम्हा एक ही लक्ष्य रहता था कि खंडेलवाल परिवार कैसे उन्नति करें ।खंडेलवाल जैन समाज कैसे आगे बढ़े ।कैसे आपस में संबंध आत्मीय बने यही उनका लक्ष्य था ।मैंने उनके साथ तीर्थ यात्राऐ भी की है उनकी आत्मीयता वात्सल्य अपनत्व देखकर मैं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन रूपारसमणिरू पत्रकार उनके प्रति श्रद्धा से नतमस्तक हो गया। जहां जहां भी वो जाते थे लोग उनका पलक पावड़े बिछाकर भावभीना अभिनंदन कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते थे। उनके कार्यकाल में मैंने जैन गजट के सर्व श्रेष्ठ संवाददाता अवार्ड निर्मल कुमार जी सेठी के करकमलों द्वारा प्राप्त किया ।यह मेरे जीवन का पहला अवार्ड था। अब तक पांच सौ ज्यादा से अधिक मंचो से अवार्ड मिल चुके है। श्री बाबूलाल जी ने जैन गजट के प्रचार प्रसार के लिए खूब मार्गदर्शन दिया।। दुख और वेदना की इस घड़ी में आप के परिवार जन को परमपिता परमात्मा दुख पीड़ा सहन करने की अपार शक्ति प्रदान करे।

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी

असहाय अशक्त की मदद कर रामगंजमडी युवादल व पूर्व पार्षद साक्षी पारख ने मनाई दीपावली

रामगंजमडी. शाबाश इंडिया

कहा जाता है मानव सेवा ही भगवान की सच्ची उपासना है यही कार्य रामगंजमडी युवादल करता आ रहा है आज ऐसा ही नेक कार्य किया जो हर किसी को भावुक कर देता है जी युवादल रोसली गाँव मे रहने वाले

सीताराम माली लकवे की बीमारी से ग्रसित है।उनकी पत्नी सीमा घरों मे झाडू ओर बर्तन साफ करती हे इनके तीन लड़किया हे खुशी उम्र 14 वर्ष तनू उम्र 12 वर्ष ओर अंजलि उम्र 9 वर्ष परिवार का गुजर बसर मे कठिनाई आ रही है। आज रोसली के लोग इस परिवार को मदद के लिये युवा दल चोराहे पर आये और उनके घर मे उजियारा हो दीपक का प्रकाश हो और अपना गुजर बसर कर सके। रामगंजमडी युवादल ने एक महीने का राशन दिया। इस मुहिम में राशन की सामग्री लेकर गरीब परिवार के घर पूर्व पार्षद ओर लिटिल भाई की बेटी साक्षी पारख राशन लेकर पहुँची।

संजय जीनधर की मदद कर रामगंजमडी युवादल ने दीपावली पर्व को सार्थक सिद्ध किया

रामगंजमडी. शाबाश इंडिया

आज दीपावली पर्व है हर कोई इसको मना रहा है हर कोई अपनो बीच रहकर खुशियां मना रहा है ऐसे में आज रामगंजमडी युवादल ने नेक कार्य को करके दीपावली पर्व को सार्थक किया। संजय जीनघर गायत्री मंदिर के पास रहते है। ये केबल का कार्य करते थे। लेकिन इनकी दोनो किडनिया खराब होने के कारण ये कार्य नही कर पा रहे है। आज होम गार्ड के जवान रविसिंह राजावत युवा दल चोराहे पर इनको मदद के लिये लेकर आये है। इनके चार लड़कियाँ हे पूरी बात सुनने के बाद इनको एक माह का पूरा राशन ओर नगद राशी प्रदान की। घर को रोशन किया। इस पर्व पर युवादल ने जो कार्य किया है। वह सेवा परोपकार के प्रति सभी को जाग्रत करता है। इस पुनीत मुहिम में सभी को तन,मन, धन से सहयोग करना चाहिए। आपको बता दे रामगंजमडी युवादल हर दिन गरीब बीमार और जरूरत मंदो की मदद को सदा खड़ा रहता है।

अभिषेक जैन लुहाडीया रामगंजमडी

अपूर्व उत्साह और उमंग से मनाई खुशियों की दीपावली

घर-घर विराजित मां लक्ष्मी को पूज कर देर रात तक खूब हुई आतिशबाजी

उदयपुर. शाबाश इंडिया

धार्मिक आस्था का महत्व समेटे समूचे मेवाड़ सहित पर्यटन और झीलों के लिए देश दुनिया में अलग पहचान रखने वाली झीलों की नगरी में सोमवार को दीपोत्सव खासे उत्साह और उमंग से मनाया गया। दो दिन धनतेरस पर बाजारों में खरीदारों की भीड़ देखी गई, वहीं आज सोमवार को दिन भर श्रद्धालुओं ने आस्था केंद्रों पर पूजा अर्चना की और शाम ढलते ही अधिकांश घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और दफ्तरों में शुभ मुहूर्त में धन की दात्री लक्ष्मी को गणेश संग पूजित किया। उसके बाद बच्चों संग सजे मुख्य बाजार की रोशनी देखी। देर रात तक गली मोहल्ले पटाखों की धमक से गुंजायमान रहे। उदयपुर संभाग में सूर्य ग्रहण अवस्था को लेकर 27 साल बाद ऐसा मौका आया है जब दीपावली के अगले दिन अन्नकूट और गोवर्धन पूजा की परंपरा टूटेगी। बता दें, इससे पहले 24 अक्टूबर 1995 को भी दीपावली पर सूर्य ग्रहण था। पंडित जगदीश दिवाकर ने बताया कि सूतक काल में किसी भी तरह के मांगलिक कार्य नहीं किए जाने चाहिए और न मंदिरों में पूजा अर्चना ही। ऐसे में सूतक के बाद मंदिर और घर को शुद्ध करके ईश्वर आराधना की जानी चाहिए।

आज भी प्रासंगिक है खाते बही और कलम दवात की पूजा

बेशक पिछले दो दशक से अधिक समय में कंप्यूटर तकनीक के बेतहाशा उपयोग से घर दफ्तरों में रोजमर्रा के काम आधुनिक तौर तरीके से होने लगे हैं, बावजूद इसके आज भी शहर में कई स्थानों पर दीपावली पूजन में खाते बही और कलम दवात की पूजा पद्धति प्रासंगिक है। इसका एक अच्छा उदाहरण उस समय देखने मिला जब दिनेश भंडारी एंड कंपनी के एक दर्जन से अधिक परिवार सदस्यों ने हजारेश्वर कॉलोनी स्थित कृष्णा पासपोर्ट और ई मित्र केंद्र पर सामूहिक दीपावली पूजन किया। राजेश भंडारी ने बताया कि पिछले चालीस साल से अधिक समय से उनका परिवार इसी प्रकार तीन चार पीढ़ियों को साथ लेकर दीपावली पूजन किया करता है। जिसमें दादा परदादा के समय से चली आ रही खाता बही और कलम दवात पूजन आज भी मान्य है। इसके साथ लक्ष्मी जी की आरती और नमोकार मंत्र जाप भी किया जाता है।

रिपोर्ट एवं फोटो
राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइलः
9829050939

॥श्री आदिनाथाय नमः॥

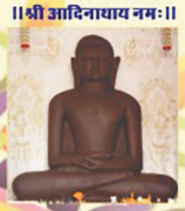

आचार्य श्री सुनील सागर वर्षायोग समिति– 2022 एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर

के संयुक्त तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा

आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी के सानिध्य में

रिद्धि–सिद्धि मंत्रों से दीप प्रज्ज्वलन के साथ

भक्तामर पाठ 48 मण्डलों पर

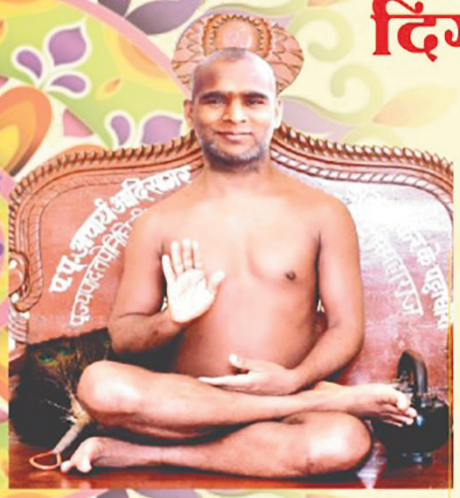

शुक्रवार, दिनांक : 28 अक्टूबर 2022
समय : सायं 6.00 बजे से
स्थान : भट्टारक जी की नसियॉ, जयपुर

चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलनकर्ता

श्री शांति कुमार जी-ममता जी सोगानी
जापान वाले

जिनवाणी विराजमानकर्ता

श्रीमती बुलबुल कंवर पत्नी स्व.श्री नेमीचन्द जी गंगवाल
श्री राजेश जी-जैना जी गंगवाल, श्री राकेश जी-रोशनी जी गंगवाल

मुख्य माण्डल दीप प्रज्ज्वलनकर्ता

श्रीमती प्रकाश देवी पत्नी स्व. श्री बृजमोहन जी जैन
श्री विनोद जी-शशि जी जैन तिजारिया

विशेष आकर्षण
प्रसिद्ध गायक
कवि हृदय पं. विकर्ष जैन
सलेहा सतना (म.प्र.)

गायक :
श्री अशोक गंगवाल
(साड़ीघर वाले)
श्रीमती समता गोदिका

संयोजक :-
मनीष- शोभना लोंग्या
राजेश-रानी पाटनी

निवेदक

आचार्य श्री सुनील सागर वर्षायोग समिति– 2022

(अन्तर्गत- श्री दिगम्बर जैनमुनि संघ प्रबन्ध समिति, पार्श्वनाथ भवन, नाटाणियों का रास्ता, जयपुर)

अध्यक्ष देवप्रकाश खण्डाका
मुख्य संयोजक रूपेन्द्र छाबड़ा, राजेश गंगवाल
मुख्य समन्वयक राजीव जैन (गाजियाबाद वाले)
कोषाध्यक्ष मुकेश जैन
प्रचार मंत्री रमेश गंगवाल
मंत्री ओमप्रकाश काला (मामाजी)

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर

अध्यक्ष राजेश बडजात्या
संस्थापक अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, IPS
निवर्तमान अध्यक्ष यश कमल अजमेरा
कोषाध्यक्ष पारस कुमार जैन
महासचिव निर्मल संघी
पूर्व अध्यक्ष अतुल बिलाला
वरिष्ठ परामर्शक महेन्द्र कुमार पाटनी
परामर्शक सुरेन्द्र कुमार पाण्डया
परामर्शक व प्रभारी नवीन सेन जैन

सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

आयोजक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका
परामर्शक दिनेश-संगीता गंगवाल
वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष-शोभना लोंग्या
कोषाध्यक्ष अनिल-अनिता जैन
सचिव अनिल-प्रेमा रांवका
उपाध्यक्ष सुनील-सुनीता गोदिका
उपाध्यक्ष महेन्द्र-सुनीता कासलीवाल
संयुक्त सचिव राकेश-रेणु संघी
संयुक्त सचिव राजेश-रितु छाबड़ा
सांस्कृतिक सचिव कमल-मंजू ठोलिया

कार्यकारिणी सदस्य- अनिल-निशा संघी, प्रदीप-प्राची जैन, राजेश-रानी पाटनी, डॉ. अनामिका-चेतन पापड़ीवाल, कुसुम-राजेन्द्र जैन

विशेष आमंत्रित सदस्य अशोक सेठी

दीपावली पर रही बाजारों में रौनक, सायंकाल दीप जलाये व पूजन की

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे सहित क्षेत्र में दीपावली का पर्व हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। क्षेत्र के बाजारों में सारे दिन ग्राहकों की भीड़ लगी रही। दुकानदारों की माने तो इस बार हर साल से अच्छी ग्राहिकी हुई है।सुबह से ही वॉट्सएप सहित अन्य सोशल मीडिया पर दीपावली के शुभकामनाओं के संदेश अपने परिचितों,दोस्तो को देते नजर आए।शाम होते ही दुकानों,ऑफिस सहित घरों आदि में पूजा की तैयारी जुटते दिखे वही शाम को घरों,दुकानों आदि पर दिये ओर सजावट से बाजार और गांव सजे हुए दिखे। देर रात तक दीपावली पूजन करने के बाद बड़े बुढो से आशीर्वाद और पटाखा छुड़ाते दिखे।

मुख्यमंत्री का महत्वपूर्ण निर्णय

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के हर वर्ग के समग्र विकास एवं आर्थिक उत्थान के लिए राजस्थान चर्म शिल्प कला विकास बोर्ड, राजस्थान राज्य महात्मा ज्योतिबा फुले बोर्ड तथा राजस्थान राज्य रजक कल्याण बोर्ड के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

राजस्थान चर्म शिल्प कला विकास बोर्ड

गहलोत की इस स्वीकृति से चर्म व्यवसाय से संबंधित व्यक्तियों के जीवन स्तर में वृद्धि होगी एवं उनका आर्थिक विकास सुनिश्चित हो सकेगा। राज्य के औद्योगिक विकास में इस व्यवसाय से जुड़े लोगों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित होगी। साथ ही, उनके कार्यस्थल एवं विकास स्थल पर समस्त आधारभूत सुविधाओं यथा सड़क, पानी, बिजली, चिकित्सा, शिक्षा, उत्पादों के विपणन हेतु मार्केटिंग सेन्टर विकसित हो सकेंगे। इस व्यवसाय से जुड़े व्यक्तियों को आधुनिक तकनीक आधारित चर्म रंगाई एवं अन्य उत्पादों हेतु देश में प्रतिष्ठित संस्थाओं के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था भी की जा सकेगी।

पटाखों से ज्यादा हो
खुशियों का शोर
दिवाली उत्सव हो
बेहतर कल की ओर !

अपनों के साथ दिवाली मनाएं तो त्यौहार में
पटाखों का शोर नहीं, खुशियों की आवाज़ गूंजेगी।
इस बार ग्रीन और क्लीन दिवाली मनाइये
और एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित कीजिये।

ARL परिवार की ओर से
शुभ दीपावली

ARL

ARL Infratech Ltd.

अंकुर रूफिंग शीट्स | AEROTUFF LIGHT | STRONG | ADVANCED AAC Blocks | अंकुर फाइबर सीमेन्ट बोरवैल पाईप्स | SPECTA QUARTZ SURFACES

Corporate Office: "Akshat House" A-27 / 13-A, Kanti Chandra Road, Bani Park, Jaipur-302016.
Tel. : 0141-6604777 arl@arlinfratech.com

Marketing Office : 'Akshat Heights' 601, 6th Floor, D-91 Madho Singh Road,
Bani Park, Jaipur - 302016, Tel.: 0141-6606777 sales@arlinfratech.com

https://www.facebook.com/ARLInfratech https://www.youtube.com/c/ARLInfratechltd www.arlinfratech.com

आचार्य श्री विद्यासागर जी के दिक्षा दिवस पर भव्य अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता विद्या नृत्यांजली का आयोजन होगा

जयपुर। सन्त शिरोमणि आचार्य भगवन श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के आचार्य पदारोहण दिवस 22 नवम्बर 2022 के पावन उपलक्ष्य में गुरुदेव निर्यापक मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज, मुनि श्री 108 पूज्य सागर जी महाराज, ऐलक श्री 105 धैर्य सागर जी महाराज, क्षुल्लक श्री 105 गम्भीर सागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद से " श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल समाज, सूरत" द्वारा आचार्य भगवन के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस को सम्पूर्ण विश्व मे हर्षोल्लास के साथ मनाने व समाज की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता "विद्या नृत्यांजली का आयोजन किया जा रहा हैं। समन्वयक श्रीमति शीला डोडिया,जयपुर ने बताया कि युवा कलाकारों से प्रतियोगिता में शामिल होने हेतु प्रविष्टियाँ आमंत्रित की जा रहीं हैं।प्रतियोगिता में शामिल होने हेतु आवश्यक जानकारी निम्न प्रकार हैं:- प्रतियोगिता में पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 5 नवम्बर हैं जो कि ऑनलाइन की जाएगी,निर्धारित तिथि के बाद पंजीकरण स्वीकार नहीं किये जायेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 51,000रुपये, द्वितीय पुरस्कार 31,000 रुपये,तृतीय पुरस्कार 21,000 रुपये तथा 47 सांत्वना पुरस्कार 21,00 रुपये व सभी विजेताओ को आकर्षक स्मृति चिन्ह एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये जायेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन तीन राउण्ड में किया जाएगा । प्रतियोगिता में 15 वर्ष से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवक, युवती, महिला,पुरुष भाग ले सकते हैं एवं प्रतियोगिता में सोलो(एकल नृत्य) प्रस्तुति ही मान्य होगी।सभी प्रतिभागियों को अपना आधार कार्ड संलग्न करना आवश्यक होगा।प्रतियोगिता का प्रथम क्वाटर राउण्ड 15 नवम्बर,द्वितीय सेमिफाइनल राउण्ड 22 नवम्बर को ऑनलाइन किया जाएगा तथा तृतीय फाइनल राउण्ड 11 दिसम्बर को सूरत, गुजरात में ऑफलाइन किया जाएगा जिसमे टॉप 10 प्रतिभागियों को कार्यक्रम से एक दिन पूर्व अपने एक अभिभावक के साथ (माता,पिता,पति)बुलाया जाएगा तथा कार्यक्रम का जिनवाणी चैनल पर लाइव प्रसारण किया जाएगा ।जिन टॉप 10 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा उन्हें प्रस्तुति हेतु सूरत, गुजरात बुलाने पर आवास व्यवस्था, भोजन व्यवस्था व उनके आने-जाने का रेल्वे टिकिट आयोजकों द्वारा दिया जाएगा।सभी प्रतिभागियों को अपनी प्रस्तुति करने हेतु गाने आयोजकों द्वारा ही दिए जाएंगे जिस पर प्रतिभागियों को 2 मिनट की प्रस्तुति तैयार कर vidhyanrityanjali.50@gamil.com पर e-mail करनीअनिवार्य होगी whatsapp video स्वीकार नहीं किये जायेंगे तथा एक प्रस्तुति का एक video ही मान्य किया जाएगा।प्रस्तुति के आधार पर निर्णायक मण्डल द्वारा अगले राउण्ड के लिए प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा।अपनी प्रस्तुति रिकॉर्ड करते समय आपको मंच सज्जा करना आवश्यक

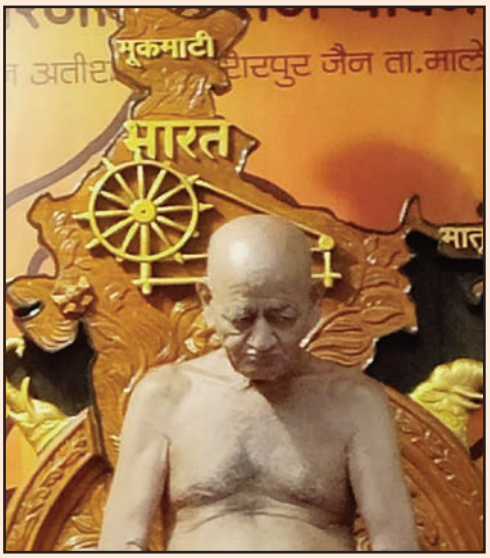

होगा,आपकी रिकॉर्डिंग HD क्वालिटी में ही होनी चाहिए,आपकी प्रस्तुति one take में ही होनी चाहिए एवं आपकी वेशभूषा आपकी प्रस्तुति(नृत्य) के अनुसार ही होनी चाहिए वेस्टर्न ड्रेस एवं प्रस्तुति में ऑरिजनल फूलों का इस्तेमाल मान्य नहीं किया जाएगा व Edited वीडियो मान्य नहीं किये जायेंगे। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल द्वारा निम्न विषयों को देखकर प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा।परफॉर्मेंस एक्सप्रेशन बॉडी लैंग्वेज ऐनर्जी लेबल कॉस्ट्यूम सेट डिज़ाइन मेकअप प्रतियोगिता पंजीकरण शुल्क मात्र 200/- रुपये रखा गया है। जिसे आप 7615060671 पर googal pay,phonepe,Ptm कर सकते हैं, शुल्क जमा कराने के पश्चात 7615060671 पर स्क्रीन शार्ट भेजना अनिवार्य है।

इस लिंक के माध्यम से आप अपना पंजीकरण कर सकते हैं

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeUwUVpHx7JRQjrRqfNdbl7LZ-WqMfUmuPsTHPY762BjjlzgQ/viewform?usp=sf_link

आयोजक:-श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल समाज सूरत राजीव भूच(अध्यक्ष), संजय गदिया(महामंत्री), पवन गोधा(कोषाध्यक्ष), समन्वयक श्रीमति शीला डोडिया,जयपुर, कार्यक्रम निर्देशक :अजय जैन मोहनबाड़ी , जयपुर , गीत संगीत निर्देशक:-अवशेष जैन,जबलपुर, संयोजक:-चारु सत भैया, ललितपुर।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें:-8854808400